केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 224 मंगलवार 5 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बस्ती क्लस्टर की लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की कोर कमेटी की बैठक संपन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती सर्किट हाउस हाल में सोमवार को दिन में 12 बजे बस्ती क्लस्टर के अन्तर्गत बस्ती संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर लोकसभा क्षेत्र के लिए लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के कोर कमेटी की बैठक हुई।

इसमें राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चन्द्र बैरवा ने कहा कि आगामी 40 दिनों में चुनाव संपन्न कराना है। दिन रात एक कर देनी है। वहीं 80 में से 80 यूपी में लोकसभा चुनाव की में आनी चाहिए। डिप्टी सीयम ने कहा कि भारत को विकास के रास्ते पर पहुंचना बिजली एवं सड़के पानी एवं विकास की योजनाएं जन–जन तक पहुंचाने का काम किया गया। कार्यकर्ता चुनाव में जीत दिलाने को जुट जाएं। मोदी और योगी का नाम देश मे ही नहीं अन्य देशों में भी लिया जाता है।

क्लस्टर प्रभारी सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि पार्टी द्वारा चुनाव संचालन समिति द्वारा 40 दिन में चुनाव संपन्न होने हैं। साथ ही हमारे द्वारा कार्यकर्ताओं के रूप में हमने मोहरे सजा दिए हैं। विधानसभा और लोकसभा की बैठक हो चुकी है। हर विभाग के साथ हमें बूथ स्तर पर समीक्षा करनी है।

कार्यक्रम का संचालन बस्ती भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने किया। सांसद जगदम्बिका पाल, संतकबीर नगर सांसद प्रवीन निषाद, विधायक अजय सिंह, श्रीराम चौहान, जय प्रताप सिंह, संजय चौधरी, अनित त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में एचआईवी, टीवी., गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उ0प्र0 राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी लखनऊ के सहयोग से बस्ती में लिंक वर्कर स्कीम परियोजना के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला क्षय रोग अधिकारी के दिशा निर्देशन में ग्रामीण विकास सेवा समिति द्वारा विकास खण्ड गौर के ग्राम कछिया में आयोजित किया गया। इस दौरान प्रवासी, प्रवासी की पत्नी, टीबी मरीज, गर्भवती महिला, उच्च जोखिम पूर्ण व्यवहार करने वाले महिला एवं पुरूष की एचआईवी एवं यौन रोग सम्बंधी जांच तथा सलाह दी गयी।

जीवीएसएस के सचिव अम्बुज कुमार यादव ने बताया कि कैम्प के दौरान सभी प्रतिभागियों को एचआईवी, टीबी तथा यौन रोग सम्बंधी पूर्ण जानकारी दी जा रही है, साथ ही साथ एचआईवी, एड्स अधिनियम 2017 के बारे में सभी को बताया जा रहा है जिससे एचआईवी के साथ जीवन यापन कर रहे लोगों के साथ हो रहे भेदभाव को समाप्त किया जा सके। इन्होने बताया कि इस दौरान 150 लोगो का पंजीकरण करते हुए सभी की काउंलिग की गयी तथा एचआईवी की जांच की गई।

डा0 अवनीष कुमार चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गौर ने बताया कि यह कैम्प काफी उपयोगी साबित होता है यदि कोई व्यक्ति कैम्प के दौरान एचआईवी रिएक्टिव पाया जाता है तो लिंक वर्कर स्कीम परियोजना की टीम स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर जनपद में स्थापित एआरटी सेन्टर से लिंक कराने एवं उनकी काउंसलिंग कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान करती है।

कैम्प के दौरान एचआईवी एवं एसटीआई की जांच हेतु श्वेता काउंसलर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गौर एवं प्रज्ञा पाण्डेय काउंसलर जिला महिला चिकित्सालय बस्ती ने एचआईवी एवं एसटीआई जांच हेतु इच्छुक प्रवासी, प्रवासी की पत्नी, टीबी मरीज, गर्भवती महिला, उच्च जोखिम पूर्ण व्यवहार करने वाले महिला एवं पुरूष की काउंलिग की और समय–समय पर एचआईवी जांच हेतु प्रेरित किया। लिंक वर्कर स्कीम परियोजना के डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन, सुपरवाइजर सत्येन्द्र कुमार, रमाकांत मंजेष एवं बीना आदि ने कैम्प को सफल बनाने में योगदान किया।

रिश्वत लेने के मामलों में सांसद, विधायकों को नहीं मिलेगी कोई छूट

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने रिश्वत लेने के मामलों में सांसदों और विधायकों को उनके विशेषाधिकार के तहत छूट देने वाले अपने ही आदेश को पलट दिया है. अदालत ने स्पष्ट कहा है कि रिश्वत लेने से सार्वजनिक जीवन में शुचिता नष्ट हो जाती है.सुप्रीम कोर्ट के सात जजों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया. पीठ का नेतृत्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ कर रहे थे. ताजा फैसले ने 1998 में पीवी नरसिम्हा राव बनाम स्टेट– मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसले को पलट दिया है. मामला जन–प्रतिनिधियों द्वारा सदन के अंदर भाषण देने और मत डालने के लिए रिश्वत लेने का था. 1998 में अदालत ने फैसला दिया था कि सांसद और विधायकों पर इस तरह के मामलों में रिश्वत लेने के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता क्योंकि उन्हें संसदीय विशेषाधिकार का संरक्षण प्राप्त है।

लेकिन ताजा फैसले में संविधान पीठ ने कहा है कि पुराना फैसला गलत था. पीठ के मुताबिक संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत जन–प्रतिनिधियों को संसद और विधान सभाओं के अंदर कुछ करने और कहने के लिए दी गई छूट सदन की सामूहिक कार्य प्रणाली से संबंधित है. अनुच्छेद 105 (2) के तहत सांसदों को और अनुच्छेद 194 (2) के तहत विधायकों को विशेषाधिकार मिलते हैं. अदालत ने कहा कि इन विशेषाधिकारों का जन–प्रतिनिधियों के मूलभूत कार्यों से संबंध होना आवश्यक है और रिश्वत लेना इस विशेषाधिकार के तहत नहीं आता है. किस मामले में आया फैसला पीठ ने स्पष्ट कहा कि –रु39यनरसिम्हा राव–रु39य मामले में दिया गया फैसला बेहद खतरनाक है और इसलिए उसे खारिज किया जाता है. ताजा फैसला जिस मामले में आया उसे यसीता सोरेन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया– के नाम से जाना जाता है.

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बड़ी भाभी सीता सोरेन पर राज्यसभा की एक सीट के लिए 2012 में हुए चुनावों में एक विशेष उम्मीदवार के लिए मत डालने के लिए रिश्वत लेने के आरोप लगे थे. सीता उस समय झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की विधायक थीं. इस मामले की शिकायत मिलने के बाद चुनाव आयोग ने चुनावों को रद्द कर दिया था. सीबीआई ने जांच की और चार्जशीट दायर की. सार्वजनिक जीवन में शुचिता जरूरी उसके बाद सीता को गिरफ्तार कर लिया गया था और उन्होंने छह महीने जेल में भी बिताए थे. अभी वह जमानत पर जेल से बाहर हैं. 2014 में उन्होंने विशेषाधिकार का हवाला देते हुए झारखंड हाई कोर्ट से मामले को रद्द करने की अपील की थी, जिसे स्वीकार नहीं किया गया था।

तीसरी बार जीत का रेकार्ड बनायेंगे हरीश द्विवेदी–रमेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री एवं बस्ती लोकसभा से दो बार से सांसद हरीश द्विवेदी को तीसरी बार पार्टी द्वारा प्रत्याशी बनाये जाने पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं में प्रसन्नता का माहौल है। नगर पालिका परिषद के सभासद एवं भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के क्षेत्रीय सोशल मीडिया प्रभारी रमेश कुमार गुप्ता ने सांसद हरीश द्विवेदी से शिष्टाचार भेंट कर खुशियों को साझा किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से रमेश कुमार गुप्ता ने कहा कि हरीश द्विवेदी संगठन और सरकार के साथ ही कार्यकर्ताओं को सम्मान देते हैं, उन्होने दस वर्ष के कार्यकाल में बस्ती में विकास के अनेक बड़ी परियोजनाओं को साकार किया। वे जनता के बीच बने रहने वाले कार्यकर्ता है। निश्चित रूप से इस चुनाव में वे जीत के हैट्रिक का रेकार्ड बनायेंगे।

होम्योपैथ में योगदान के लिये डा. वी.के. वर्मा सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रिसर्च सोसायटी ऑफ होम्योपैथिक द्वारा लखनऊ के एक होटल में आयोजित तीसरे अर्न्तराष्ट्रीय होम्योपैथिक कान्फ्रेस 2024 में चेहरा, गला व शरीर के अनेक हिस्सों में निकलने वाले लिल्ला पर प्रस्तुति के लिये होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। डा. वर्मा ने कहा कि उनके द्वारा पिछले 40 वर्षो के सक्रिय सेवा काल में 100 से अधिक होम्योपैथिक पर आलेख प्रकाशित हो चुके हैं।

देश के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डा. नरेश अरोरा, रिसर्च सोसायटी ऑफ होम्योपैथिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सी.पी. सिंह ने डा. वर्मा को उनके योगदान के लिये सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया।

वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा को सम्मानित किये जाने पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.एस. दूबे, प्रमुख अधीक्षक डा. विकास सोनकर, डा. बी.बी. मिश्रा, डा. आर.पी. मौर्य, डा. वीरेन्द्र तिवारी, डा. शैलेन्द्र तिवारी, डा. एन.के. सिंह गौतम, डा. धर्मेन्द्र चौधरी, डा. अनिल मिश्र, डा. दिनेश सिंह कुशवाहा, डा. सतीश चौधरी, डा. जुनेद खान आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

अवसर मिला तो बस्ती में लगेगा कारखाना–भूषण मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। नोयडा में एसएसजी फर्निशिंग कम्पनी की स्थापना करने वाले कप्तानगंज क्षेत्र के तिनपेड़िया गांव निवासी भूषण मिश्र अपनी जड़ो से जुड़े रहना चाहते है। इस कारण उन्होंने लखनऊ के विकसित होने वाले औद्योगिक क्षेत्र में टेक्सटाइल फैक्ट्री लगाने का निर्णय लिया है। उनकी मंशा है कि इस फैक्ट्री से दो फेज में 4 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध हो जिसमें उनके जिले के लोगों की अधिकाधिक भागीदारी रहे। जिले में भी औद्योगिक विकास और यहां के लोगों को सीधे तौर पर रोजगार देने के लिए फैक्ट्री लगाने की योजना है। विंडो ब्लाइंड्स बनाने वाली एसएसजी ग्रुप कम्पनी पब्लिक लिमिटेड के करीब 24 कम्पनियों के माध्यम से वर्ष 2040 तक एक लाख लोगों को रोजगार देने का खाका तैयार किया है।

जिले की माटी में जन्में और शहर के एपीएन पीजी कालेज से वर्ष 1991 में स्नातक की शिक्षा पूरी कर परिवार को बिना बताए वर्ष 1994 में दिल्ली चले गए भूषण मिश्र ने एक प्राइवेट कम्पनी में डिलीवरी वाय की नौकरी से अपने सफर की शुरूआत की। अपनी काबिलियत के दम पर उसी कम्पनी में सीईओ बने। वर्ष 2014 में सीईओ के पद से रिजाइन कर दिया। वर्ष 2015 में एसएसजी फर्निशिंग कम्पनी की स्थापना कर औद्योगिक सफर में एक कदम आगे बढ़ाया। वर्ष 2015– 16 में उनकी कम्पनी ने 32 लाख रूपए का व्यवसाय किया, जिससे उनका हौसला बढ़ा। आज एसएसजी ग्रुप कम्पनी पब्लिक लिमिटेड के पास पूरे देश में करीब 24 कम्पनियां है।

स्टेशन रोड स्थित एक होटल के कांफेंस हाल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कम्पनी के चेयरमैन भूषण मिश्र ने अपने कैरियर के सफर और उपलब्धियों को साझा किया। कहा कि वर्ष 2018 से पहले उनकी कम्पनी के पास दिल्ली में एक छोटी सी फैक्ट्री थी। वर्ष 2019 में यमुना विकास प्राधिकरण ने 63 सौ वर्ग मीटर जमीन फैक्ट्री लगाने के लिए दिया। वर्ष 2023 में यूपी इन्वेस्टर समिट में उन्होंने 610 करोड़ रूपए इन्वेस्ट करने का एग्रीमेंट साइन किया है, जिसका कार्य प्रगति पर है। एसएसजी का अगला कदम पीएम मित्रा पार्क लखनऊ में सौ एकड़ एरिया में टेक्सटाइल फैक्ट्री लगाकर उत्पादन शुरू करने का है। इस फैक्ट्री के लग जाने से यहां 4 हजार लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। वर्ष 2024 के फरवरी माह में पीएम मित्रा के तहत एमओयू साइन किया है। पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प का पीएम का लक्ष्य 2047 से पहले पूरा हो सकता है। बस जरूरत है कि इस दिशा में सबका सहयोग मिले। कहा कि यूपी में सुरक्षा व्यवस्था का जो बेहतर माहौल सीएम योगी की सरकार में मिला है उससे आज पूरे विश्व के उद्योगपति यहां अपना उद्योग लगाना चाहते है। कहा कि बस्ती के विकास में भी योगदान करने का उनका लक्ष्य है। कहा कि वे एक किसान के बेटे है, यहां के लोगों के जरूरतों को समझते है। यदि सरकार ने जरूरी इंफ्रास्टक्चर उपलब्ध कराया तो वे इस दिशा में कदम आगे बढ़ाएंगे, यहां के लोगों को अपनी ही धरती पर रोजगार का अवसर उपलब्ध कराएंगे।

10 वर्षो में बदली भारत की दशा-दिशा-सिद्धार्थनाथ सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में पूर्व कैबिनेट मंत्री व बस्ती क्लस्टर प्रभारी सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि 10 वर्षों में भारत की दिशा व दशा बदली है क्योंकि 2014 के पहले के भारत और आज के भारत में बहुत बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने सभी मोर्चों पर विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं व मोदी की गारंटी वाली योजनाओं से लोगों के जीवन में बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुकी है और भारत चांद के साउथ पोल पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश है।उन्होंने कहा जो नौजवान पहली बार अपने मत का प्रयोग करेगा वह 2014 से पहले का जमाना नहीं देखा जब बदहाली ही बदहाली था व भ्रष्टाचार घोटाला, आतंकवाद,अखबारों की हेडलाइन बनते थे। देश में निराशा का माहौल था।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि आज देश में प्रधानमंत्री के प्रति लोगों का भरोसा और विश्वास बढ़ा है व आज पूरी दुनिया में भारतवंशियों का सम्मान हो रहा है। सांसद ने कहा कि प्रबुद्ध वर्ग हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उनकी बात समाज गौर से सुनता है जो ओपिनियन मेकर्स होते हैं। उन्होंने प्रबुद्धजनों से मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए लोगों को जागरूक करने का आह्वान भी किया।

–प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का आयोजन

क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय ने कहा कि 56 इंच के सीने वाले प्रधानमंत्री को आप बागडोर देते हैं तो आतंकी थर–थर कांपते हैं व कहा कि 2019 में हमारे सीआरपीएफ जवानों पर आतंकियों ने घात लगा हमला किया तो प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक करके घर में घुसकर मारा व ईंट का जवाब पत्थर से दिया।

विधायक अजय सिंह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तीसरी महाशक्ति के रूप में उभरा है जिसके चलते चीन व पाकिस्तान की रूह भी कांप जाता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने स्वागत भाषण में अतिथियों का परिचय कराने के साथ प्रबुद्ध वर्ग से लोकसभा चुनाव में भाजपा को समर्थन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जंग बहादुर सिंह ने सरकार की तमाम उपलब्धियां को गिनाया व आभार नगर पालिकाध्यक्ष अंकुर वर्मा, संचालन प्रबुद्ध वर्ग के जिला संयोजक जगदीश शुक्ल ने किया।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र व पदाधिकारियों ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर परिपूर्णा नन्द पाण्डेय, अनूप खरे, प्रदीप पाण्डे, मजहर हुसैन, अमृत कुमार वर्मा, वद्दी उज्जमा सिद्दीकी, मारुत कुमार शुक्ल, अजय चौधरी, दीपक सिंह, पंकज सिंह, चंद्रभान सिंह, सिवेंद्र सिंह, प्रवीन सिंह, संतोष सिंह, प्रशांत सिंह, लालमन चौहान, विपिन यादव, सुभाष वर्मा, नरेन्द्र प्रसाद, मूल चन्द्र सहित पत्रकार साहित्यकार अधिवक्ता मौजूद रहे।

पवन के बाद उपेन्द्र ने लौटाया भाजपा का टिकट

बाराबंकी (आभा)। यूपी की बाराबंकी सीट से लोकसभा प्रत्याशी घोषित उपेंद्र रावत ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उपेंद्र रावत इस समय बाराबंकी सीट से सांसद भी हैं। दो दिन पहले ही आई भाजपा की पहली सूची में उपेंद्र रावत का भी नाम था। उन्हें बाराबंकी से ही दोबारा भाजपा ने टिकट मिला था। सोमवार को उपेंद्र रावत ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर करते हुए लिखा कि जब तक निर्दोष साबित न हो जाऊं तब तक कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा।

उपेंद्र रावत ने लिखा कि मेरा एक एडिटेड वीडियो वायरल किया जा रहा है, जो डीपफेक एआई तकनीक के जरिए बनाया गया है और मैंने इसकी एफआईआर मैंने दर्ज करा दी है। उन्होंने कहा, 'मैंने पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा से भी निवेदन किया है कि इसकी जांच करवाई जाए। जबतक मैं निर्दोष साबित नहीं होता सार्वजनिक जीवन में कोई चुनाव नहीं लडूंगा। इससे पहले भाजपा प्रत्याशी और भोजपुरी स्टार पवन सिंह भी टिकट मिलने के बाद चुनाव लड़ने से इनकार कर चुके हैं।

सुभाष अध्यक्ष, सन्तोष सचिव बनेः भारत विकास परिषद का चुनाव सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत विकास परिषद गोरक्ष प्रांत के मनवर शाखा हरैया के पदाधिकारियों का चुनाव हरैया नगर पंचायत स्थित ब्रह्मदेव इंद्रमती त्रिपाठी महिला डिग्री कॉलेज के सभागार में सोमवार को सम्पन्न हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक प्रांतीय अध्यक्ष डॉ आर. पी. शुक्ल और प्रांतीय संगठन सचिव विनय पाण्डेय के देखरेख में संपन्न हुए चुनाव में सुभाष चंद्र त्रिपाठी अध्यक्ष, संतोष कुमार शुक्ल सचिव तथा रवीश कुमार मिश्र वित्त सचिव चुने गए। अन्य पदों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारी मनोनीत किए गए जिसमें अवधेश कुमार त्रिपाठी संरक्षक, डॉ दीनानाथ पटेल उपाध्यक्ष सेवा, प्रेम शंकर ओझा उपाध्यक्ष संपर्क, डॉ हरिओम श्रीवास्तव उपाध्यक्ष संस्कार, विवेक कान्त पाण्डेय शाखा संगठन सचिव, अनिल कुमार पाण्डेय मीडिया प्रभारी, राधेश्याम यादव भारत को जानो प्रकल्प प्रमुख, विपिन कुमार शुक्ला गुरु वंदन छात्र अभिनंदन प्रकल्प प्रमुख, आशुतोष शुक्ल राष्ट्रीय समूह गान प्रकल्प प्रमुख और भारती शुक्ला को महिला संयोजिका का दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम को प्रांतीय अध्यक्ष डॉ आर पी शुक्ल, प्रांतीय उपाध्यक्ष सेवा डॉ दिलीप कुमार गुप्ता, प्रांतीय वित्त सचिव डॉ दम्पति कुमार सिंह, प्रांतीय संगठन सचिव विनय कुमार पाण्डेय और वशिष्ठ शाखा के अध्यक्ष कैलाश नाथ दूबे आदि ने संबोधित करते हुए कहा कि ने कहा कि भारत विकास परिषद के मूल सिद्धांत संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा, समर्पण पर आधारित वर्षपर्यंत चलने वाले विविध कार्यक्रमों के कारण आज परिषद की अपने सेवा कार्यों के लिए विशिष्ट पहचान हैं। परिषद सदस्यों का अनुशासन और संगठनात्मक कार्यशैली परिषद परिवार को विशिष्ट बनाती है।

इस अवसर पर धर्मध्वज सिंह, विनोद शुक्ला, अमरनाथ शुक्ल, शक्ति शरण उपाध्याय, नटवर सिंह आदि उपस्थित रहे।

एनडीए को 2024 में हरायेगा पीडीए–लौटन राम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।समाजवादी पार्टी पिछड़ावर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौ. लौटनराम निषाद ने एक होटल में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा भाजपा हिन्दुत्व, धर्म और राम के नाम पर नफरत फैलाने व जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटकाने का षडयंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि आमजन राम के अनुयायी हैं और भाजपा राम की व्यवसायी है ।चुनावाचार्य नरेन्द्र मोदी सनातन परम्परा के विरूद्ध शंकराचार्यों को नजरअंदाज कर राजनीतिक लाभ लेने के लिए आधे–अधूरे मंदिर का उद्घाटन व प्राण–प्रतिष्ठा कर दिया। 'जिसकी जितना संख्या भारी, उसकी उतना हिस्सेदारी' के मुद्दे पर जातिगत जनगणना व समानुपातिक प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर आगे बढ़ रही है।

पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये चौ.लौटनराम निषाद कहा कि अपने को पिछड़ा बताने वाले पीएम मोदी नीलवर्ण श्रृंगाल व पिछड़ी जातियों के दुश्मन हैं ।एनडीए के हिस्सा ओमप्रकाश राजभर,संजय निषाद व अनुप्रिया पटेल भाजपा जैसी शिकारी की कटिया, बंसी के चारा है ।वर्तमान में भाजपा सरकार सरकारी संस्थानों,उपक्रमों को अपने पूंजीपति मित्रों के हाथों नीलाम कर निजीकरण के द्वारा ओबीसी, एससी,एसटी का आरक्षण खत्म कर रही है ।उन्होंने कहा कि भाजपा हिन्दू–मुसलमान,भारत–पाकिस्तान कर जनता को गुमराह कर रही है।

चौ.लौटन राम निषाद ने पत्रकारों के सवालों का उत्तर देते हुये कहा कि जब सरकार एससी, एसटी, धार्मिक अल्पसंख्यक (मुस्लिम,सिक्खा,ईसाई,बौद्ध,जैन, पारसी,रेसलर) और किन्नरों की जनगणना कराती है, जानवरों एवं पेड़ों की गिनती कराती है तो पिछड़ों वंचितों की क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि अपने को पिछड़ी जाति व नीच जाति का बताने वाले पीएम मोदी पिछड़ों की जनगणना क्यों नहीं करा रहे, ओबीसी पीएम की सरकार में पिछड़ों की हकमारी क्यों हो रही है?उन्होंने कहा कि भाजपा वोट के लिए निषाद,कुर्मी, कुशवाहा, विश्वकर्मा,प्रजापति,विश्वकर्मा,राजभर,चौहान,लोधी, कोरी, पासी, धानुक, वनवासी, नाई, बारी, साहू आदि को हिन्दू कहती है, वही सरकार बनने पर इन्हीं पिछड़ी जातियों का आरक्षण खुलेआम लूटकर इनका प्रतिनिधित्व खत्म किया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आरएसएस के इशारे पर लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण को खत्म करने में जुटी हुई है, बंच ऑफ थाट्स की नीतियों को लागू कर वर्णव्यवस्था का राजतंत्र स्थापित करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में सपा का पीडीए ही एनडीए को हरायेगा। भाजपा बांटों और राज करो की नीति पर चलती है और जाति से जाति को लड़ाकर पिछड़ों, दलितों की ताकत को कमजोर करने का काम करती है ।उन्होंने कहा कि मण्डल कमीशन की विरोधी भाजपा और आरएसएस कभी पिछड़ों की भलाई नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा कि भाजपा शिकारी पार्टी है जो पिछड़े वंचित दलित वर्ग के गुलाम मानसिकता के स्वार्थी नेताओं को चारा के रूप में प्रयोग कर शिकार बनाती है। प्रेसवार्ता में सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक विधायक महेन्द्र नाथ यादव, प्रभाकर वर्मा, संदीप निषाद, अरविंद सोनकर, विजय विक्रम आर्य,अरूण मिश्रा,आर. डी. निषाद,बृजेश पटेल आदि मौजूद रहे।

अर्जित कसौधन जिलाध्यक्ष, प्रिन्स महामंत्री बने

–अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल पदाधिकारी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल की बैठक सोमवार को डीपीएस स्कूल पर हुई। इसमें उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल की बस्ती जिला इकाई तथा नगर इकाई के गठन पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बस्ती के जिला अध्यक्ष सुभाष चंद्र शुक्ला हुआ संचालन जिला महामंत्री संगठन बृजेश प्रताप सिंह मुन्ना ने किया।

बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष अमरमणि पाण्डेय ,अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ जिला महामंत्री मंत्री राजीव पाण्डेय व वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंहजी विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

बैठक में अर्जित कसौधन को युवा इकाई का जिला अध्यक्ष प्रिंस गुप्ता को जिला महामंत्री , सचिन जायसवाल को नगर अध्यक्ष तथा अभिषेक सिंह को नगर महामंत्री का दायित्व सौंपा गया ।

बैठक में जिला इकाई तथा नगर इकाई के कई पदाधिकारी पदाधिकरियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई। जिसमें जिला उपाध्यक्ष के रुप अशोक निगम अखिलेश राज सुलेख सोनी सौरभ कसौधन शनि मद्धेशिया विकास गुप्ता महामंत्री के रूप में वैभव अग्रहरि अभिषेक गुप्ता को संगठन मंत्री शुभम गुप्ता और राहुल गुप्ता और अभिषेक अग्रहरी को संयुक्त मंत्री, मोहित गुप्ता और रितिक कसौधन को मीडिया प्रभारी जितेंद्र चौधरी और नागेंद्र मिश्रा को मीडिया प्रभारी, शुभम गुप्ता को कोषाध्यक्ष नगर इकाई में अनूप गुप्ता सचिन कसौधन विशाल अग्रहरी, अभिषेक गुप्ता शिव सिंह कसेरा को नगर उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, मोहम्मद यूनुस को नगर महामंत्री, मोहम्मद जावेद को कोषाध्यक्ष उत्कर्ष जायसवाल आदित्य कसौधन को संगठन मंत्री विशाल कसौधन निखिल गुप्ता को संयुक्त मंत्री आयुष गुप्ता को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। बैठक में पवन गुप्ता सुमित बरनवाल दीपक गुप्ता सोनू पाल विवेक पाल लकी खान नागेंद्र मिश्रा प्रमोद गुप्ता अनमोल यादव आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 मार्च 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

खतरे में खेती और मौसम

आंधी, पानी और ओला गिरने से खेती को बड़ा नुकसान हुआ है। किसानों की मुश्किलें फिर बढ गई है। खेती पर जो तीन बड़े खतरे मंडरा रहे हैं उनमें से एक है जलवायु परर्घित्न, दूसरा जल संकट और तीसरा धरती की खराब होती सेहत। धरती जीवन का आधार है, इसलिए इसे मां का दर्जा दिया गया है। हम अपनी सेहत की चिन्ता तो कर रहे हैं लेकिन धरती की नहीं। जबकि मिट्टी का उपजाऊपन घटना एक बड़ी चिंता के रूप में हमारे सामने आ रहा है। कभी सूखे तो कभी बरसात की भरमार से किसान दशकों तक उधार में दबा रहता है और तभी वह खेती छोडने को मजबूर होता है। भारत मौसम, भूमि–उपयोग, वनस्पति , जीव के मामले में व्यापक विविधिता वाला देश है और यहां जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी कुछ सौ किलोमीटर की दूरी पर अलग किस्म से हो रहा है। लेकिन पानी बचाने और कुपोषण व भूख से निपटने की चिंता पूरे देश में एक समान है। हमारे देश में उपलब्ध ताजे पानी का 75 फीसदी अभी भी खेती में खर्च हो रहा है। तापमान बढने से जल–निधियों पर मंडरा रहा खतरा तो हमारा समाज गत दो दशकों से झेल ही रहा है।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में आए अप्रत्याशित बदलाव ने किसानों की लहलहाती फसलों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। शुक्रवार से जारी बारिश–ओलावृष्टि ने गेहूं, चना, सरसों व सब्जियों आदि की फसलों की लगभग तैयार फसल को बिछा दिया। कभी आसमान की ओर देखकर बारिश की गुहार लगाने वाला किसान अब इसके थमने की प्रार्थना कर रहा है। किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। मंडियों में गई सरसों की फसल भी बारिश से प्रभावित हुई है। आशंका जतायी जा रही है कि बारिश–ओलों से इस बार कुल उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस महीने के अंत तक कटने को तैयार सरसों की फसल का बीज व फूल तेज बारिश व ओले से गिरने की बात कही जा रही है। किसानों को आशंका है कि गेहूं की फसल की पैदावार घट सकती है और गेहूं का दाना काला पड़ सकता है। वहीं दूसरी ओर कई स्थानों पर बिजली गिरने से लोगों के मरने की भी खबरें हैं। लहलहाती फसल के बिछने से किसान अपनी किस्मत पर आंसू बहा रहे हैं। किसान व विपक्षी दल यथाशीघ्र स्पेशल गिरदावरी कराकर मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। वहीं सरकार ने कहा है कि 15 मार्च तक स्पेशल गिरदावरी होगी। फसलों के नुकसान का ब्योरा ई–क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपलोड करने का आग्रह किसानों से किया गया है। किसान संगठनों के नेता प्रति एकड़ पचास हजार रुपये मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

बहरहाल, इतना तय है कि ग्लोबल वार्मिंग का संकट अब हमारे खेतों तक दस्तक देने लगा है। आमतौर पर इस मौसम में बारिश–ओलावृष्टि कम ही देखने को मिलती थी। कहा जा रहा है कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते बादल नीचे आ गए हैं और उच्च स्तर पर तापमान कम हो गया है। जिसकी वजह से बादलों की नमी ओलों में बदल गई। बहरहाल, जलवायु परिवर्तन से उपजे संकट से मुकाबले के लिये सरकार को गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। यूं तो ऐसे मौसम का सीधे तौर पर मुकाबला करना संभव नजर नहीं आता, लेकिन इससे बचाव के लिये किसानों को भी प्रेरित करना होगा। जिससे वे ऐसी फसलों का चयन कर सकें, जो मौसम की तीव्रता का सामना कर सकें। वहीं सरकारों को भी मौसमी अनिश्चितता से किसानों को राहत देने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। वे किसान जो क्षतिपूर्ति पोर्टल पर नुकसान की सूचना दर्ज नहीं करा पाते, उनके मुआवजे को लेकर उदारता पूर्वक विचार करना होगा। इसके अलावा जिन किसानों ने फसलों का बीमा करवाया है, उन किसानों को समय रहते बीमा राशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना भी जरूरी है। देश की खाद्य शृंखला को सुरक्षित बनाने के लिये यह नितांत जरूरी है। अन्यथा लगातार घाटे का सौदा बनती खेती से किसान का मोहभंग होते देर नहीं लगेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि आम चुनाव की तरफ बढ़ते देश में किसानों को राहत तुरत–फुरत मिल सकेगी।

गरीबों, मजदूरों की सुध लेने का समय

–सुरेश सेठ–

वैसे अपने देश में जहां आजकल विकास, उन्नति और दुनिया की बड़ी महाशक्ति बन दूसरों को पछाड़ देने के वादे ही नहीं बल्कि सूचनाएं भी दी जाती हैं तो आम आदमी यही महसूस करता है कि उसकी आर्थिक स्थिति में बहुत परिवर्तन नहीं आया। कृषि के बारे में कहा गया था कि हम किसानों की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हो सका। अगर देश में किसानों की फसलों का उत्पादन बढ़ता है तो उसके भंडारण की व्यवस्था नहीं होती। दूसरी ओर, भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। भारत एक युवा देश है लेकिन इसके बावजूद इन युवाओं की श्रमशीलता और कार्यशीलता का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा। उसे अनुकम्पा नीतियों से बहलाया जा रहा है। किसान भी अपने आप को मंडियों में जाकर सौदा करने की क्षमता में कमजोर पाता है। पहला कारण एक तो यह कि उभरते, संवरते भारत में किसानों द्वारा सहकारिता आंदोलन का कार्यान्वयन हर क्षेत्र में हो जाना चाहिए था जो नहीं हुआ। दूसरा, अगर किसान ने दिन–रात मेहनत करके अपनी उत्पादकता बढ़ाकर अधिक फसल पैदा की है तो उसके भंडारण के लिए गोदाम नहीं मिलते। किसान को कम कीमत के समझौते करने पड़ते हैं।

आम आदमी, किसान और मजदूर को न केवल उसकी मेहनत का अधिक मूल्य देने के लिए दो ही कदम हैं। एक तो यह कि किसान की फसल भंडारण क्षमता को बढ़ा दिया जाए। दूसरा, सहकारी आंदोलन की सहायता से लघु और मध्यम उद्योगों का और कृषि उद्योगों का इस तरह से विकास किया जाए कि लोगों को अपने आप ही रोजगार प्राप्त होने लगे। सरकार ने एक नई योजना शुरू कर दी है। विडंबना है कि इस कृषि प्रधान देश में किसान की उपज में अभी तक महज 47 फीसदी भंडारण की सुविधा है।

सरकार ने घोषणा की है कि सवा लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश वाली एक महत्वाकांक्षी भंडारण क्षमता योजना देश में निर्मित की जाएगी। जिससे 7 लाख टन फसलों के अतिरिक्त भंडारण की व्यवस्था हो जाएगी। इसके लिए कृषि ऋण समितियों पर निर्भर किया जा रहा है। इन्हें पैक्स कहा जाता है। अभी योजना शुरू हुई है तो इनके अधीन 11 गोदाम बनाए जा रहे हैं। लेकिन अगले दो वर्षों में हजारों गोदाम इन पैक्स के अधीन बनाए जाएंगे ताकि 2027 तक में जितनी फसल पैदा हो, उसका भंडारण हो जाए। खाद्य सुरक्षा करना भी जरूरी है, नहीं तो मूल्य सूचकांकों में खाद्य निर्भरता के कारण कितने उतार–चढ़ाव आते हैं। इसलिए इनका बफर स्टाक भी इन गोदामों में रखा जाएगा।

दो वर्षों में 11 राज्यों के 11 गोदामों से हजारों गोदाम बनाकर क्या सौ फीसदी भंडारण पैदा कर सकेंगे? जरूरी है कि इसके लिए न केवल गोदाम बनें बल्कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियां भी सार्थक भूमिका निभाएं। पहला अनुभव भ्रष्टाचार के कारण बहुत अच्छा नहीं रहा। अभी तक तो जो गोदाम हैं, या कोल्ड स्टोरेज हैं, वे निजी क्षेत्र के हैं। सरकारी एजेंसियां इन्हें किराए पर लेती हैं। अब महत्वाकांक्षी योजना के लिए 18 हजार पैक्स कंप्यूटरीकृत किए जा रहे हैं। अगर यह समस्या हल हो जाए तो बेशक यह देश के ढांचे में एक मूलभूत सुधार होगा। इसका इंतजार देश की पहली हरित क्रांति से लेकर देश के अभी मनाए अमृत महोत्सव तक होता रहा है।

उम्मीद करते हैं, यह बुनियादी बदलाव लाया जा सकेगा। इसके लिए सहकारी समितियों पर फिर से निर्भर करना होगा। सहकारी आंदोलन आज का नहीं बहुत पुराना आंदोलन है। लेकिन भ्रष्टाचार और स्थानीय नेताओं की आपाधापी के कारण यह आंदोलन असफल हो गया था। पिछले दस साल में इस आंदोलन के पुनर्जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आम आदमी केन्द्रित एक लचीली अर्थव्यवस्था और ग्रामीण क्षेत्र के आधुनिकीकरण के कदम सहकारी आंदोलन से उठाए जा सकते हैं।

इस समय द्रुत आर्थिक विकास गति को गति प्रदान करने के लिए निजी क्षेत्र को पूरा प्रोत्साहन दिया जा रहा है। ऐसे में छोटे आदमी का छोटा व्यापार सफल होगा तो कैसे? उसके उद्यम में शक्ति भरी जाएगी तो कैसे? देश में दो समानांतर व्यवस्थाएं आर्थिक प्रगति के लिए चलानी पड़ेंगी। देश की आधी ग्रामीण जनता आज भी कृषि पर निर्भर करती है लेकिन देश की राष्ट्रीय आय में उसका योगदान केवल 17 प्रतिशत है। वजह छोटे किसानों की छोटी जोतें। सहकारी आंदोलन के संगठन को द्रुत करके छोटे किसानों के छोटे उद्यम को न केवल विस्तार दिया जा सकता है बल्कि उसे अधिक निवेश के काबिल भी बनाया जा सकता है। जरूरत इस समय रोजगारपरक लघु और कुटीर उद्योगों को नया जीवन देने की भी है। योजनाएं ग्रामीणों के भले के लिए चलें तो हमारा ग्रामीण भारत उसी प्रकार सिर उठाकर चल सकेगा जिस प्रकार आजकल शहरी स्वचालित निजी क्षेत्र का उद्योग तरक्की कर रहा है। एक सामंजस्य जरूरी है। उसे उदार अनुकम्पाओं के सहारे कब तक पाला जाएगा?

लेखक साहित्यकार हैं।

चुनावः तैयारियां दोनों तरफ से हैं

–आशीष वशिष्ठ–

अगले कुछ दिनों में चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा। राजनीतिक दल चुनाव मैदान में कूद चुके हैं। देश का राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। भाजपानीत एनडीए का चेहरा नरेंद्र मोदी हैं। ऐसे में अहम प्रश्न है कि मोदी के सामने विपक्ष का चेहरा कौन होगा? क्या विपक्ष चुनाव मैदान में उतरने से पहले किसी एक चेहरे पर सहमति बना पाएगा? या फिर विपक्ष बिना चेहरे के ही मोदी को चुनौती देगा? विपक्ष अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि मोदी के सामने कौन विपक्ष को चेहरा कौन होगा।

भाजपा ने पिछले चुनाव में भी इस बात को खूब प्रचारित किया था कि विपक्ष के पास मोदी का कोई विकल्प नहीं है। सोशल मीडिया पर आज भी इस बात की चर्चा होती है कि आम चुनाव में विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के लिए कौन ऐसा उम्मीदवार है, जो मोदी की बराबरी करता दिखे? इसका कोई जवाब विपक्ष के पास नहीं है। विपक्ष में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार अनेक हैं। दलों में क्षेत्रीय स्तर पर टकराव बहुत हैं। इनके चलते विपक्ष चुनाव, संसद के भीतर या सड़क पर सरकार के खिलाफ एकजुट नहीं दिखाई देता है। नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता का प्रयास किया था, लेकिन कांग्रेस के रवैये से रुष्ट होकर वो दोबारा एनडीए में शामिल हो चुके हैं।

इंडी अलायंस पिछले दस महीने में आधा दर्जन बैठकों के बाद भी किसी एक चेहरे के नाम पर सहमति नहीं बना पाया। विपक्ष का हर नेता स्वयं को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार समझता है। 2014 के बाद जब से नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई बीजेपी सामने आई तब से देश में चेहरा आधारित चुनाव का नया दौर शुरू हुआ। नरेंद्र मोदी के सामने विकल्प कौन? यह विपक्ष का सबसे अनसुलझा सवाल रहा। बीता साल भी विपक्ष ने इसी के जवाब में निकाल दिया। विपक्ष ने 27 दलों का इंडी अलायंस भी बनाया तब भी उसमें एक आम चेहरा सामने नहीं ला पाया।

वहीं अगर पिछले कुछ सालों का रिकार्ड देखें तो जिस राज्य में विपक्ष ने विधानसभा चुनाव में मजबूत चेहरा रखा वहां उसे विजय हासिल हुई। लेकिन केंद्र में आकर वह ऐसा करने में विफल रहा। बीती 19 दिसंबर को इंडी अलायंस की मीटिंग में यह मसला उठा और कुछ नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम आगे किया लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जोर देकर कहा कि विपक्षी दलों के लिए पहली प्राथमिकता आम चुनाव जीतना और फिर प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम तय करना होगा। उन्होंने कहा, "आवश्यक सदस्यों के बिना पीएम उम्मीदवार के बारे में चर्चा निरर्थक है।" खड़गे के गैर–प्रतिबद्ध रुख ने संकेत दिया कि गठबंधन का चेहरा नामित करने का मुद्दा विवादास्पद बना हुआ है। जबकि तमाम आंकड़े और सर्वेक्षण बताते हैं कि आजकल मतदाता चुनाव में नेतृत्व की स्पष्टता वाले दल की ओर अधिक जाना पसंद करते हैं।

ऐसे में विपक्ष के लिए इस अनसुलझे प्रश्न की तलाश सबसे अधिक है। मुकाबला तो साफ तौर पर घोषित उम्मीदवारों के बीच होता है। जब विपक्ष ने किसी को अपना चेहरा घोषित ही नहीं कर पाया, ऐसे में आमजन में यह संदेश गया कि विपक्ष के पास मोदी का मुकाबला करने वाला कोई नाम और चेहरा नहीं है। बिना किसी चेहरे के विपक्ष अपनी आधी लड़ाई शुरू होने से पहले ही हार चुका है।

इंडी अलायंस के गठन के पहले ही दिन से कांग्रेस बड़ी चालाकी से गठबंधन के संयोजक के मुद्दे पर हीलाहवाली करती रही। सीट बंटवारे को लेकर भी उसका रूख कभी साफ नहीं रहा। वास्तव में कांग्रेस ने बड़ी चालाकी से नीतीष कुमार के बनाए मंच पर अपना वर्चस्व और प्रभुत्व स्थापित कर लिया। और रणनीति के तहत वो संयोजक के नाम की घोषणा जैसे अहम मुद्दे को बैठक दर बैठक टालती रही। गठबंधन में संयोजक ही प्रधानमंत्री पद का चेहरा होता। कांग्रेस यह नहीं चाहती थी कि राहुल गांधी के अलावा कोई दूसरा चेहरा गठबंधन की ओर से घोषित किया जाए। हालांकि कांग्रेस की चालाकी को नीतीश, केजरीवाल और ममता भांप गए। इसलिए इन तीन नेताओं ने कांग्रेस के रवैये की आलोचना करने से परहेज नहीं किया।

नीतीश तो गठबंधन से अलग हो गए। ममता ने मल्लिकार्जुन का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाकर राहुल और अन्य संभावित प्रत्याषियों का रास्ता रोकने का काम किया। केजरीवाल कांग्रेस के साथ आए भी तो अपनी षर्तों पर। कांग्रेस ने झुककर आप से सीटों का बंटवारा किया। ममता अकेले चुनाव लड़ने का संदेष दे ही चुकी है। मतलब साफ है कि गठबंधन में कोई किसी को आगे बढ़ता देखना नहीं चाहता। विपक्ष का हर नेता स्वयं को प्रधानमंत्री पद का दावेदार मानता है। और वो प्रधानमंत्री पद के लिए अपना रास्ता साफ रखना चाहता है।

देश की जनता विपक्षी नेताओं के चाल चरित्र और सत्ता की लोलुपता को बड़े ढंग से देख रही है। जनता को पता है कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी जैसे ऊर्जावान और निस्वार्थ व्यक्ति है, जो अहर्निशं देष और देषवासियों के कल्याण और विकास के बारे में सोचता है। और दूसरी ओर एक ऐसा गठबंधन है, जिसके अधिकांष नेता अपना वर्तमान और अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित करने के लिए जोड़ तोड़ कर रहे हैं। उन्हें मोदी को अपने सत्ता सुख के लिए हराना है।

विपक्ष देश की जनता को कभी यह नहीं बताता कि वो मोदी को हटाकर उनके लिए क्या करेंगे? देश के विकास का उनका मॉडल क्या है? उन्होंने देश के प्रगति का कौन सा रोडमैप तैयार किया है? विपक्ष मुफ्त की सौगातों और न पूरे होने वाले वायदे देकर सत्ता हासिल करने की कोशिशों में जुटा है। मोदी सरकार के हर काम की आलोचना और अड़चन को ही विपक्ष अपना धर्म और कर्तव्य मानता है। उसके पास कोई देष को आगे बढ़ाने का कोई माडल, रोडमैप और ब्लूप्रिंट नहीं है। देशवासी सब कुछ देख रहे हैं। पिछले दस वर्षों में देश में जो परिवर्तन और विकास हुआ है, उसे विपक्ष के नेता अपने बयानों की चादर से ढक नहीं सकते। सरकारी योजनाओं से करोड़ो देशवासी लाभन्वित हुए हैं। सरकारी कार्यप्रणाली में निष्पक्षता और पारदर्शिता का प्रतिशत बढ़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी पिछले दो महीने में कई अवसरों पर अपने तीसरे कार्यकाल का जिक्र कर चुके हैं। बीती 3 मार्च को पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। मौजूदा सरकार की यह आखिरी कैबिनेट बैठक थी। करीब 11 घंटे चली मीटिंग में विजन डॉक्यूमेंट विकसित भारत 2047, अगले 5 साल की योजनाओं और सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान पहले 100 दिन की रणनीति पर चर्चा हुई। जहां एक ओर विपक्ष के कई बड़े नेता अपने लिए सुरक्षित सीटें और गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर उलझे हुए हैं। वहीं पीएम मोदी तीसरे कार्यकाल की रणनीति तय कर रहे हैं। पीएम मोदी के आत्मविश्वास से अंदर ही अंदर समूचे विपक्ष में घबराहट है।

पिछले वर्ष पांच राज्यों के चुनाव में मोदी की गारंटी विपक्ष के वायदों पर भारी पड़ी थी।देशवासियों ने मोदी की गारंटी पर भरोसा किया। इंडी अलायंस भी मोदी को हराने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहा। कांग्रेस तो अपना स्तर गिराकर समझौते और गठबंधन करने से भी परहेज नहीं कर रही है। लेकिन अहम सवाल यह है कि प्रधानमंत्री मोदी के छवि, कद और नेतृत्व के सामने क्या विपक्ष की बिना चेहरे वाली रणनीति कामयाब हो पाएगी?

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी के चेहरे के सामने में विपक्ष की बिना चेहरे वाली एकजुटता जरूरी कमजोर नजर आएगी। लेकिन, इससे उसके असफल होने की गारंटी नहीं है। यदि विपक्ष सत्ता विरोधी लहर को भुनाने में कामयाब होता है और सरकार की नाकामियों को जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है तो फिर उसे फायदा होगा। लेकिन, यदि सत्ता विरोधी लहर नजर नहीं आती है तो फिर मोदी के चेहरे का फायदा फिर भाजपा को मिलेगा।

'आया राम गया राम' की राजनीति

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

दल बदल 'आया राम गया राम' अभिव्यक्ति के साथ शुरू हुआ, जिसने हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में तीन बार पार्टियां बदलने के बाद भारतीय राजनीति में लोकप्रियता हासिल की। यह 1967 में हुआ था। संसद ने इस मामले का उपयोग भारतीय संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ने को उचित ठहराने के लिए किया। यह कानून सदन के किसी अन्य सदस्य की याचिका के जवाब में विधायिका के पीठासीन अधिकारी द्वारा सांसदों को दलबदल के लिए अयोग्य घोषित करने की प्रक्रिया स्थापित करता है। कानून के अनुसार, यदि कोई राजनेता स्वेच्छा से अपनी पार्टी छोड़ देता है या हाउस ऑफ कॉमन्स में वोट पर पार्टी नेतृत्व के निर्देशों की अवज्ञा करता है, तो वह दलबदल करता है। धारणा यह है कि विधायक इस व्यवहार से पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर रहे हैं। दल–बदल विरोधी विधेयक का उद्देश्य विधायकों को पाला बदलने से रोककर सरकार को स्थिर रखना है। दल –बदल विरोधी कानून ने भारत में बहस और चर्चा के बजाय पार्टियों और संख्या के आधार पर लोकतंत्र लागू किया।

इस तरह से यह असहमति और दलबदल के बीच कोई अंतर नहीं करता है, जिससे किसी भी पैमाने पर संसदीय बहस कमजोर हो जाती है। दूसरी ओर, यह कानून राजनेताओं को उनके राजनीतिक दलों से अनिश्चित काल के लिए बाध्य नहीं करता है। विभिन्न परिस्थितियों में विधायक अयोग्य ठहराए जाने के डर के बिना दल बदल सकते हैं। यह कानून किसी पार्टी को किसी अन्य पार्टी के साथ विलय की अनुमति देता है यदि उसके दो–तिहाई सदस्य इसे स्वीकार करते हैं। ऐसे में किसी भी सदस्य पर दलबदल का आरोप नहीं लगता। अन्य स्थितियों में, यदि कोई व्यक्ति अध्यक्ष या अध्यक्ष के रूप में चुना गया था और उसे अपनी पार्टी से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। परिणामस्वरूप, वे पद छोड़ने के बाद फिर से पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

भारत में परित्याग की अनेक घटनाएँ हुई हैं। कई विधायकों और सांसदों ने पार्टियां बदल ली हैं। 91वां संविधान संशोधन अधिनियम–2003 का लक्ष्य मंत्रिपरिषद के आकार को कम करना, दलबदलुओं को सार्वजनिक कार्यालय में प्रवेश करने से रोकना और भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची में सुधार करना था। पहले, विलय को एक राजनीतिक दल के निर्वाचित सदस्यों के एक तिहाई के दलबदल के रूप में परिभाषित किया गया था। संशोधन के बाद इसे कम से कम दो–तिहाई कर दिया गया। अदालत ने विधायक अयोग्यता के मामलों पर विचार करने में स्पीकर की व्यापक शक्ति की भी पुष्टि की।

यद्यपि हमारे देश के विधायकों की ओर से बार–बार और अपवित्र निष्ठा परिवर्तन के कारण होने वाली राजनीतिक अस्थिरता भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के कारण काफी कम हो गई है, फिर भी भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के अधिक तर्कसंगत संस्करण की आवश्यकता है। मणिपुर प्रशासन में कुछ मौजूदा विधायक हाल ही में विपक्ष में चले गए, जिससे राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता पैदा हो गई। मणिपुर में दलबदल की यह राजनीति असामान्य नहीं हैय हाल ही में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी दलबदल हुआ है। विधानमंडल के सदस्यों द्वारा राजनीतिक दलबदल ने लंबे समय से भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया है।

दल–बदल विरोधी कानून ने निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज को दबा दिया है। विधायकों द्वारा पार्टी अनुशासन का पालन न करना एक राजनीतिक समस्या है, और इसे अधिक आंतरिक पार्टी लोकतंत्र और पार्टी के सदस्यों के विकास के तरीकों के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। भारत के संविधान का एक हिस्सा इसकी मूल भावना के खिलाफ है। यह दसवीं अनुसूची है, जिसे 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था। राजनीतिक दलबदल को रोकने के लिए 1985 में संसद द्वारा पारित किया गया, इसे आमतौर पर दलबदल विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है। इसका उद्देश्य एक राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए विधायकों को दूसरे के प्रति अपनी निष्ठा बदलने से रोकना था। इसका उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता लाना था।

तब से, इसने हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज को दबा दिया है, संवैधानिक कार्यालयों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है और हमारे लोकतंत्र का मजाक उड़ाया है।

शादी में ननिहाल आये प्रधानाचार्य की गोली मारकर हत्या

संवाददाता–गोण्डा। । जिले के छपिया थाना क्षेत्र के चांदारत्ती गांव में मामा के घर शादी समारोह में शामिल होने गए निजी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की रविवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामा की तहरीर पर छपिया पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। छपिया थाना क्षेत्र के चांदारत्ती गांव निवासी आज्ञाराम यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके घर में शादी थी। शादी समारोह में शामिल होने के लिए उनके भांजे दिनेश कुमार यादव (32) आए थे। दिनेश सिसहनी गांव स्थित श्री सीडी यादव इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य के पद पर तैनात थे।

रविवार की रात परिवार के सभी लोगों ने दिनेश के साथ भोजन किया। इसके बाद सभी सोने चले गए। दिनेश दुकान पर सोने के लिए चला गया। देर रात सिसहनी गांव के ही रहने वाले अजय वर्मा व राज सिंह पहुंचे और दिनेश के सिर में गोली मार दी। बगल में सो रहे दिनेश के भाई उमेश यादव व धर्मेंद्र यादव ने दोनों आरोपियों को भागते समय देखा। इसकी सूचना दोनों ने परिजनों को दी। घटना की जानकारी होने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। दिनेश को नजदीकी अस्पताल के नाते सीमावर्ती बस्ती जिले के सीएचसी गौर ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक छपिया सतेंद्र वर्मा, प्रभारी निरीक्षक खोड़ारे मनोज पाठक व सीओ मनकापुर राजेश कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि वारदात की सूचना पर मिलते ही पुलिस मौके पर गई थी। घटना के हर पहलू की जांच की जा रही है। मृतक के मामा की तहरीर पर दो आरोपियों के विरुद्ध नामजद मुकदमा कायम किया गया है। एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दूसरे की तलाश की जारी है। सिसहनी गांव स्थित श्री सीडी यादव इंटर कॉलेज में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया था। इसमें देशभक्ति व सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्र–छात्राएं प्रस्तुत कर रहे थे। गांव का ही रहने वाला दबंग अजय वर्मा अपने साथी संग कार्यक्रम में पहुंचा और हूटिंग करने लगा। इस पर प्रधानाचार्य दिनेश यादव और विद्यालय स्टाफ ने विरोध किया। अजय ने रौब गालिब करने की नीयत से बच्चों के बीच तमंचा निकालकर हवा में लहराया। विवाद बढ़ने पर प्रधानाचार्य ने पुलिस को सूचना दी। छपिया थाने की पुलिस ने आरोपी अजय का शांतिभंग में चालान कर दिया था। इसी बात की खुन्नस को लेकर हत्याकांड को अंजाम देने व अन्य बिंदुओं पर पुलिस तफ्तीश कर रही है।

कंटेनर ने बाइक को मारी टक्कर, दो महिलाओं की दर्दनाक मौत

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर की तरफ से एक बाइक पर सवार होकर भगवानदास पुत्र स्व बलराज अपनी पत्नी और बहन के साथ कोल्हुई आ रहे थे। बाइक पर दो छोटे बच्चे भी बैठे थे।अभी वह गुजरपुरवा गांव के पास पहुंचे थे, तभी गोरखपुर की तरफ से आ रहे कंटेनर यूपी 70 टी 2032 की चपेट में आ गए।इस सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। जिले के पुरंदरपुर थाना क्षेत्र में आज एक भीषण सड़क हादसे में दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार कंटेनर की चपेट में आने से दोनों महिलाओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस सड़क हादसे में एक युवक और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि आज सोमवार को दोपहर में गोरखपुर की तरफ से एक बाइक पर सवार होकर भगवानदास पुत्र स्व बलराज अपनी पत्नी और बहन के साथ कोल्हुई आ रहे थे। बाइक पर दो छोटे बच्चे भी बैठे थे।अभी वह गुजरपुरवा गांव के पास पहुंचे थे, तभी गोरखपुर की तरफ से आ रहे कंटेनर यूपी 70 टी 2032 की चपेट में आ गए।इस सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो बच्चे और बाइक चालक भगवानदास गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी ले जाया गया।मृतक गोरखपुर जिले के कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गेरूई बुजुर्ग के निवासी बताए जा रहे हैं।घटना के बाद कंटेनर चालक फरार हो रहा था लेकिन कोल्हुई थाने की पुलिस ने उसे दबोच लिया।

मुठभेड़ में एक आरोपी घायल, तीन गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। नेपाल सीमा से सटे भारतीय क्षेत्र में स्थित ककरदरी जंगल में रविवार रात पुरस्कार घोषित अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया जिसमें पुलिस जवान बाल बाल बच गए। वहीं पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से एक अपराधी घायल हो गया और पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मल्हीपुर थाना क्षेत्र के गांव लक्ष्मनपुर कोठी में गो–वध की घटना हुई थी। मामले में मल्हीपुर थाने में कुल सात आरोपियों के विरुद्ध गोवध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। चोरे उर्फ मुन्शरीफ पुत्र शेखावत, अब्दुल रहमान पुत्र मुनव्वर उर्फ मुखतार, ओझे उर्फ अहमद रजा पुत्र वाहिद, जिलेदार पुत्र भुल्लन, हथौड़े पुत्र हिम्मत, नूर आलम पुत्र फेरन व नियामत अली पुत्र हिम्मत अली निवासीगण ग्राम लक्ष्मणपुर कोठी शामिल थे। एसपी घनश्याम चौरसिया की ओर से आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 15 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया। साथ ही पुलिस, सर्विलांस व स्वाट टीम को अपराधियों की गिरफ्तारी में लगाया गया। टीम आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही थी। रविवार रात साढ़े आठ बजे मुखबिर से सूचना मिली कि तीन आरोपी चोरे उर्फ मुन्शरीफ,ओझे उर्फ अहमद रजा व अब्दुल रहमान पुत्र मुनव्वर उर्फ मुख्तार ककरदरी जंगल के रास्ते से आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस व स्वाट की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। इस दौरान जंगल के रास्ते से आ रहे आरोपियों को पुलिस के मौजूदगी का अंदाजा हुआ तो वह भागने लगे। इस दौरान चोरे ने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया जिसमें पुलिस कर्मी बाल बाल बच गए। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायर किया और गोली आरोपी के दाहिने पैर में लगी तो वह घायल होकर गिर गया। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की ओर से आरोपियों के कब्जे से एक देशी तमंचा व कारतूस बरामद कर जब्त कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने घायल आरोपी को सीएच मल्हीपुर में भर्ती कराया जहां से उसे जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। इलाज के बाद सभी आरोपियों को लेज भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष जयहरि मिश्रा, चौकी प्रभारी जमुनहा राम सजीवन निषाद, उपनिरीक्षक मोहम्मद इमरान आदि शामिल रहे।

पुलिस के अनुसार चोरे उर्फ मुन्शरीफ पुत्र शेखावत को 10 किलो चरस रखने के आरोप में पुलिस ने कई साल पहले गिरफ्तार किया था। इस मामले में आरोपी चोरे को 15 वर्ष सश्रम कारावास की सजा हुई थी और 1.5 लाख रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया गया था। आरोपी चोरे सजा काट कर तीन साल पहले बाहर निकला है। सजा काटकर लौटा चोरे अब गोवध जैसे अपराध में संलिप्त हो गया है।

अब श्रावस्ती में उपलब्ध होगी बेरा जांच की सुविधा

संवाददाता–श्रावस्ती। अब श्रावस्ती में भी बेरा जांच की सुविधा जरूरतमंदों को मिल सकेगी। इसके लिए जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में आडियोमेट्री कक्ष स्थापित ककिया गया। जिसका शुभारम्भ डीएम ने किया।

अध्यक्ष इंडियन रेडक्रास सोसायटी जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने सोमवार को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में बेरा स्थापित ब्रेन स्टोम इवोक्ड रिस्पोंस ऑडियोमेट्री कक्ष का फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने जांच कराने आए मरीजों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना तथा जांच प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी ली।जिलाधिकारी ने बताया कि सरकारी स्तर पर बेरा जांच की सुविधा लखनऊ और गोरखपुर के मध्य केवल श्रावस्ती में उपलब्ध होगी। इस जांच के लिए काफी दिनों से इंतजार चल रहा था। इससे अब निश्चित ही कान से बहरे व्यक्तियों के इलाज में सहायता मिलेगी। इसमें कान की बीमारियां जैसे फुंसी, फोड़े, मोम का इकट्ठा होना, सुनाई न देना जैसी अन्य बीमारियों की जांच की जाती है। जिसमें सुनने की क्षमता की जांच ऑडियोमेट्री तकनीक से की जाती है तथा बहरेपन या सुनने की क्षमता का पता लगाया जाता है। रेडक्रॉस सचिव अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि रेडक्रॉस की ओर से संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र पूरे प्रदेश के सामने उदाहरण बनकर उभरा है। श्रावस्ती में बेरा जांच की सुविधा उपलब्ध होने से वर्षों से दिव्यांग प्रमाण पत्र की प्रतीक्षा कर रहे श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को तत्काल लाभ मिलेगा। इसके अलावा अन्य विभिन्न प्रकार के परामर्श के लिए यह रिपोर्ट सहायक का कार्य करेगी। इस मौके पर सीएमओ डा एपी सिंह, प्रेम शुक्ला, समाज कल्याण अधिकारी डा अमरनाथ यति, सीएमएस डा राम गोपाल, पवनेश शुक्ला आदि मौजूद रहे।

फूल तोड़ने गई छात्रा पर चाकू से हमला, गंभीर

संवाददाता–देवरिया। रुद्रपुर कस्बे में सोमवार की सुबह फूल तोड़ने गई एक छात्रा पर नकाबपोश युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। छात्रा की स्थिति गंभीर है। उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

रुद्रपुर कस्बे के पकड़ी वार्ड के स्व. शंभू वर्मा की पुत्री खुशी वर्मा इंटर की छात्रा है। सोमवार की सुबह करीब 5रू00 बजे घर से 100 मीटर दूर सार्वजनिक शौचालय के समीप वह फूल तोड़ने गई थी। आरोप है कि उसी दौरान दो नकाबपोश युवकों ने चाकू से उस पर हमला कर दिया। चाकू छात्रा की पीठ में कमर के ऊपर लगा है। हमला होते ही छात्रा लहूलुहान होकर गिर पड़ी। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग जब तक पहुंचे नकाबपोश युवक फरार हो चुके थे। आनन– फानन में लोगों ने घायल छात्रा को सीएचसी रुद्रपुर पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देख उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर कर दिया गया। उसका यहीं पर इलाज चल रहा है।

घटना की जानकारी होने पर सीओ अंशुमान श्रीवास्तव और कोतवाली प्रभारी रतन पांडे ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। परिजनों के संदेह जताने पर पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले परिवार के दो युवकों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ में जुटी है। परिजनों के अनुसार उक्त परिवार से किसी बात को लेकर 3 दिन पूर्व मारपीट हुई थी। उसी रंजिश में उन्होंने घटना को अंजाम दिया।

सीओ अंशुमान श्रीवास्तव ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। छानबीन के बाद मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दो हादसों में एक की मौत, सात बाराती घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। दो अलग अलग हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि सात बाराती गंभीररूप से घायल हो गए। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को जिला अस्तपताल में भर्ती कराया। जहां से तीन लोगों की हालत गंभीर देखते हुए बहराइच रेफर कर दिया गया।

कोतवाली भिनगा के भिनगा कलेक्ट्रेट चौराहे पर रविवार देर रात बारातियों को लेकर जा रही तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में जनपद बहराइच थाना पयागपुर क्षेत्र के थवईनिपनिया निवासी दयाराम, सुरेश कुमार, प्रमोद कुमार, संचित यादव, जीवल लाल, अशीष कुमार, ओम प्रकाश समेत कुल सात लोग गंभीररूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को आनन फानन में नजदीकी जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर देखते हुए घायल दयाराम, प्रमोद कुमार व अशीष को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी घटना इकौना थाना क्षेत्र के नरकुटवा गांव में हुई। बताया जाता है कि बहराइच जनपद के पयागपुर थाना क्षेत्र स्थित निपनिया गांव से बारात कोतवाली क्षेत्र भिनगा के राजापुर गांव में आई थी। घायल सभी लोग बारात में शामिल हुए और खाना खा पीकर देर रात करीब 12 बजे वापस घर लौट रहे थे। रात में सड़क खाली थी तो वाहन की रफ्तार भी तेज थी। कलेक्ट्रेट चौराहे पर पहुंचते ही बोलेरो अनियंत्रित हो गई और सड़क के बीच स्थित डिवाइडर में सामने से जा टकराई। हादसे में जहां बोलेरो पर सवार सातो बाराती घायल हो गए तो वहीं वाहन भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

आपरेशन धरपकड़ में 27 वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से आपरेशन धरपकड़ चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया वांछित वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए मिले निर्देश पर विभिन्न थानों की पुलिस ने 48 घंटे में कुल 27 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसमें कोतवाली भिनगा पुलिस ने नौ वारंटी, थाना इकौना पुलिस ने चार वारंटी, थाना मल्हीपुर पुलिस ने दो वारंटी व थाना गिरंट पुलिस ने दो वारंटी गिरफ्तार किए। इसी तरह थाना सिरसिया पुलिस ने एक, थाना गिलौला पुलिस ने चार, थाना सोनवा ने चार व थाना एनएमपीटी पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार वारंटियों में मारपीट, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम, धोखाधड़ी, चोरी, वन अधिनियम जैसे मामलों के अपराधी शामिल रहे। सभी वारंटियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से न्यायालय की ओर से सभी को जेल भेज दिया गया।

अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों में विभिन्न आयोजनों के लिए लोगों को होगी सहूलियत

संवाददाता–गोण्डा। जिले के मुजेहना व इटियाथोक ब्लॉक के अति पिछड़े अनुसूचित जाति समूह बाहुल्य गांवों में सामुदायिक केंद्र का निर्माण कार्य कराया जाएगा। डीएम नेहा शर्मा ने दोनों ब्लाकों के 13 ग्राम पंचायतों में भूमि का चयन करने के लिए एसडीएम सदर को पत्र लिखा है। इसके बाद ग्राम पंचायतों में भूमि चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन केंद्रों का निर्माण समाज कल्याण विभाग की ओर से कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि सामुदायिक केंद्र के निर्माण पर करीब 95 लाख रुपये की लागत आएगी।

मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना भैया ने विकास खंड मुजेहना की सात ग्राम पंचायतों व इटियाथोक की छह ग्राम पंचायतों में सामुदायिक केंद्र के निर्माण के लिए प्रस्ताव दिया था। इस क्रम में डीएम नेहा शर्मा ने एसडीएम सदर को पत्र भेजकर भूमि का चयन करने के लिए निर्देशित किया है। अति पिछड़े अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों के विकास के लिए संचालित एकीकृत विकास योजना के तहत सामुदायिक केंद्रों का निर्माण कराया जाना है। अधिशासी अभियंता यूपी सिडको की ओर से बीते आठ जनवरी को सभी 13 ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य के लिए इस्टीमेट उपलब्ध कराया जा चुका है। बताया जा रहा है कि सामुदायिक केंद्र के निर्माण के लिए 500 वर्ग मीटर भूमि की जरूरत होगी। इसमें 125 वर्ग मीटर में निर्माण कार्य कराया जायेगा और शेष क्षेत्रफल आयोजन हेतु खुले मैदान के तौर पर रहेगा। डीएम की ओर भेजे गए पत्र के मुताबिक भूमि चयन इस प्रकार किया जाये कि सामुदायिक केंद्र बनने के बाद अनुसूचित जातियों के लिए सहजता से सुलभ हो सके। दिलचस्प बात यह है कि केंद्र का निर्माण निशुल्क भूमि उपलब्ध होने पर ही समाज कल्याण विभाग की ओर से किया जाएगा। इस पर एसडीएम की ओर से दोनों बीडीओ को पत्र भेजा गया। मुजेहना के बीडीओ राजेन्द्र यादव ने बताया कि संबंधित ग्राम पंचायत को भूमि चयन कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया है।

जिले को 625 सोलर पंप का और मिल लक्ष्य

संवाददाता–गोण्डा। खेतों की सिंचाई की लागत कम करने लिए शासन ने पीएम कुसुम योजना के तहत दूसरी बार जिले में 625 सोलर पंप का लक्ष्य दिया है। जिले के किसानों को पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर सोलर पंप दिए जाएंगे। उप कृषि निदेशक प्रेम कुमार ठाकुर ने बताया कि इसके लिए किसानों को पोर्टल पर आवेदन करना होगा। उन्होंने बताया कि लक्ष्य पूरा होने तक आवेदन किए जा सकेंगे।

पीएम कुसुम योजना के तहत जिले के किसान अपनी आवश्यकतानुसार आवेदन कर सकते हैं। उप कृषि निदेशक के मुताबिक शासन ने दो से तीन हॉर्स पावर सोलर पंप का लक्ष्य 450 तय किया है। जबकि, 5 हॉर्स पावर का 80, साढ़े सात हॉर्स पावर का 30, 10 हॉर्स पावर का 65 पंप का लक्ष्य निर्धारित किया गया। ऑनलाइन बुकिंग के साथ ही किसानों को टोकन मनी भी जमा करनी होगी।

किसानों के लिए फायदेमंद है सोलर पंपरू किसानों के लिए सोलर पंप काफी फायदेमंद है। गर्मी में उगने वाली फसलों से यह ज्यादा कारगर है क्योंकि धूप तेज होने पर गन्ना और जायद की फसलों की सिंचाई में काफी सहूलियत होती है। जिला कृषि अधिकारी जेपी यादव ने बताया कि दो हॉर्स सोलर पंप के लिए 4 इंच की बोरिंग जरूरी है। वहीं, तीन हॉर्स पावर से 5 हॉर्स पावर सोलर पंप के लिए छह इंच की बोरिंग जरूरी है। साढ़े सात हॉर्स पावर से 10 हॉर्स पावर सोलर पंप के लिए आठ इंच की बोरिंग होने पर ही किसान आवेदन करें। उन्होंने अधीनस्थों को योजना का प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए हैं।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में उतरे शिक्षक

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने शिक्षा महानिदेशक को सबोधित ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा है। वहीं, इटियाथोक के बीआरसी पर शिक्षकों ने बीईओ उपेन्द्र त्रिपाठी को महानिदेशक स्कूली शिक्षा को संबोधित ज्ञापन सौंपा। पदाधिकारियों ने आनलाइन हाजिरी, डाटा सिम व शिक्षकों के लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग की। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष मनोज मिश्र, मंत्री राकेश यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र शुक्ला, रामायण मिश्र, संदेश वर्मा, श्रवण वर्मा मौजूद रहे।

तरबगंज में शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए टैबलेट के माध्यम से छात्रों की उपस्थिति तथा मध्याह्न भोजन की सूचना ऑनलाइन भेजने का दबाव अधिकारियों द्वारा डाला जा रहा है। टेबलेट को सक्रिय करने के लिए सरकारी सिम कार्ड उपलब्ध नहीं कराया गया है। अधिकारियों द्वारा शिक्षकों को अपने व्यक्तिगत आईडी के माध्यम से सिम कार्ड खरीदने के लिए दबाव बनाया जा रहा है, जो कि नियमानुकूल नहीं है। शिक्षकों की मांग है कि सरकारी सिम कार्ड उपलब्ध कराया जाये। शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की भाँति एक कैलेण्डर वर्ष में 31 दिवस का उपार्जित अवकाश, प्रत्येक माह का द्वितीय शनिवार अवकाश तथा अर्थ आकस्मिक अवकाश अनुमन्य किया जाये। इस मौके पर अध्यक्ष विजय नारायण पांडेय, मंत्री अमित कुमार सिंह, सुनील कुमार शुक्ल,सत्येन्द सिंह, बाल मुकुंद पाण्डेय, मनीष कुमार पांडेय, रमेंद्र मोहन मीता, प्रदीप गिरि, अरुण कुमार पाण्डेय, देवेन्द्र सिंह, भीमसेन तिवारी, राकेश पाण्डेय, विनोद सिंह, राकेश कुमार, प्रदीप कुमार, बृज कुवर सिह, राजन तिवारी, दिनेश गुप्ता, विवेकानन्द, चेतराम वर्मा, सुरवराम, रीतेश सिंह, सतीश कुमार, चक्रधारी पाण्डेय रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 397 / 11 / 2022

हिना

बनाम

मोहम्मद शाहिदा

मोहम्मद शाहिदा उम्र करीब 30 साल पुत्र इस्लाम साकिन काशीराम आवास मकान नम्बर 11–12 थाना अकबरपुर जिला–अम्बेडकरनगर

तारीख पेशी 16–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

महिला की गैरइरादतन हत्या में दो को उम्रकैद

संवाददाता–गोण्डा। अपर जिला जज पूजा सिंह ने गैर इरादतन हत्या के जुर्म में दो लोगों को उम्रकैद व 22–22 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विनय कुमार सिंह के अनुसार थाना करनैलगंज गौरवाखुर्द निवासी इसहाक ने थाना कटरा बाजार अंतर्गत ग्राम लोनियन पुरवा सिंहपुर नकहा निवासी रिजवान पुत्र युसूफ व सगीर पुत्र शरीफ के विरुद्ध इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक उसने अपनी पुत्री समीरूंनिशा की शादी रिजवान के साथ की थी। शादी में अपनी हैसियत के अनुसार दान–दहेज भी दिया था। इसके बाद भी ससुराल वाले सोने की जंजीर व बाइक की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर उसकी बेटी की हत्या कर दी। पुलिस ने प्रकरण की विवेचना के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस व दलीलों को सुना तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपितों को गैर इरादतन हत्या करने का दोषी करार दिया। कोर्ट ने दोनों को उम्रकैद व 22–22 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर दो–दो माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

3.60 करोड़ से होगा बलरामपुर नगर का विकास

संवाददाता–बलरामपुर। आदर्श नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डा. धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने बताया कि नगर के चौमुखी विकास के लिए नगरीय विकास अभिकरण डूडा द्वारा नगर के विभिन्न वार्डो में सीसी रोड व नालियों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें मोहल्ला तुलसी पार्क में निदान हॉस्पिटल के सामने से स्वाति श्रीवास्तव के घर होते हुए विनोद शर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव के घर होते हुए अबरार आलम के घर तक सीसी रोड निर्माण कराया जाएगा। इस कार्य में 27 लाख 86 हजार रुपए खर्च होने हैं। मोहल्ला भगवतीगंज में मुख्य मार्ग से प्रवीण गुप्ता के घर के सामने से पानी टंकी व रवि गुप्ता के मकान से होते हुए उतरौला रोड तक 38 लाख 42 हजार से सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसी तरह मोहल्ला तुलसी पार्क में डा. प्रमोद श्रीवास्तव के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य में 19 लाख 68 हजार रुपए खर्च होंगे। बस स्टेशन वार्ड में अनिल सिंह के मकान के पास बलरामपुर बहराइच मार्ग से भारत टेलर दुकान होते हुए महुआ कोठी के पास से रोडवेज तिराहा तक सीसी रोड नाली निर्माण के लिए 52 लाख सात हजार, मोहल्ला खालवा वार्ड नंबर 12 सीसी रोड व नाली निर्माण में 25 लाख 34 हजार, भगवतीगंज में शंभू गुप्ता के घर से मुख्य मार्ग तक सीसी रोड निर्माण में 56 लाख 70 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं मोहल्ला पहलवारा ननकऊ सिंह के घर से दीपू गुप्ता के घर होते हुए देवराज सिंह के घर तक सीसी रोड नाली निर्माण कार्य के लिए 31.86 लाख व मोहल्ला तुलसी पार्क में डा. सतीश होम्योपैथिक क्लीनिक से गुलाब सिंह के घर होते हुए शारदा पब्लिक स्कूल तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कराया जाएगा। इसमें 27 लाख 44 हजार खर्च होंगे। मोहल्ला तुलसी पार्क में अशोक गुप्ता के घर से रवि माथुर के घर होते हुए विनोद राव के घर तक सीसी रोड नाली निर्माण में 20 लाख 82 हजार, मोहल्ला तुलसी पार्क में जेपी तिवारी के घर से मां अरोड़ा के घर होते हुए रमेश पांडेय के घर तक सीसी रोड नाली निर्माण कार्य में 18 लाख 15 हजार तथा मोहल्ला भगवतीगंज में मुरारी लाल के घर से प्रभाती लाल के घर तक सीसी रोड का निर्माण कार्य 23 लाख 20 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। नपाप अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने कहा कि इन सभी कार्यों के लिए धनराशि की स्वीकृति मिल गई है। जिसका टेंडर प्रक्रिया चल रही है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शीघ्र ही कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

चार करोड़ से तीन सब स्टेशनों की सुधरेगी बिजली व्यवस्था

संवाददाता–देवरिया। आगामी गर्मी के मौसम में बिजली खपत बढ़ने की आशंका को लेकर क्षेत्र के पुरनाछापर 132 विद्युत उपकेंद्र पर 40 एमवीए ट्रांसफॉर्मर लगाया जाएगा। करीब चार करोड़ की लागत से ट्रांसफॉर्मर क्षमता बढ़ने से भटनी, भिंगारी बाजार और गजहड़वा (बनकटा) सब स्टेशनों की बिजली व्यवस्था सुधरने की बात कही जा रही है। वहीं, ट्रांसफॉर्मर लगने के दौरान 5 से 12 मार्च के बीच आंशिक रूप से बिजली कटौती की आशंका भी जताई जा रही है। भटनी के पुरनाछापर 132 विद्युत उपकेंद्र से भटनी, भिंगारी बाजार और गजहड़वा (बनकटा) सब स्टेशनों को विद्युत सप्लाई की जाती है। पहले यहां दो 20 एमवीए के ट्रांसफॉर्मर से तीनों सब स्टेशनों को बिजली दी जाती है। इसके चलते आएदिन अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान रहते हैं। गर्मी के दिनों में फॉल्ट और लो–वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। विद्युत निगम के अफसरों ने सर्वे किया तो पता चला कि गर्मी में 20 एमवीए लोड झेल नहीं पाएगा। ऐसे में अब इसकी क्षमता 20 एमवीए से बढ़ाकर 40 एमवीए की जाएगी। इसकी तैयारी बिजली निगम ने शुरू कर दी है। सोमवार से इस पर काम शुरू हो जाएगा। क्षमता बढ़ने के बाद से तीन सब स्टेशनों के लाखों लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। करीब चार करोड़ की लागत से 40 एमवीए का पॉवर ट्रांसफॉर्मर लगाने में एक सप्ताह का समय लग सकता है। इस दौरान 5 मार्च से 12 मार्च के बीच आंशिक रूप बिजली आपूर्ति बाधित रहने की बात कही गई है। पुरनाछापर 132 उपकेंद्र मौजूद अवर अभियंता भोला ने बताया कि गर्मी से पहले ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि बढ़ाने का काम किया जा रहा है। पुरनाछापर उपकेंद्र में 40 एमबीए की पावर क्षमता बढ़ाई जाएगी। इस दौरान 5 से 12 मार्च के बीच बिजली कटौती हो सकती है।

पुलिस चौकी के सामने ही दुष्कर्म पीड़िता और मां को पीटा

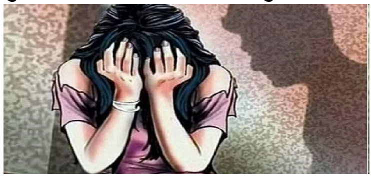

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर स्थित गुलरिहा थानाक्षेत्र के मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी के सामने दुष्कर्म पीड़िता और उसकी मां को पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दुष्कर्म के केस में सुलह करने का दबाव बनाते समय आरोपी व उसके पिता ने मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए। शुक्रवार को इतनी बड़ी वारदात के बाद पुलिस चौकी में दोनों पक्ष को बुलाया गया, लेकिन बाद में गुलरिहा थाने में जाने पर मारपीट व छेड़खानी का केस दर्ज किया गया। पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली युवती पिछले वर्ष चिलुआताल थाने में बालापार निवासी संदीप के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराई थी। केस में सुलह करने के लिए आरोपी दबाव बनवा रहा था, पिछले सप्ताह आरोपी अपने पिता रामरतन के साथ पीड़िता के घर जाकर जान से मारने की धमकी देकर आया तो पीड़िता की मां ने गुलरिहा पुलिस से शिकायत की। शुक्रवार की शाम चार बजे गुलरिहा पुलिस दोनों पक्षों को मेडिकल चौकी पर बुलाई थी। बातचीत करने के बाद आरोपी पिता-पुत्र चौकी से बाहर निकलने और दोनों पक्षों के बीच गाली देते मारपीट करने लगे। पीड़िता की मां की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ मारपीट, धमकी व छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

अनुसूचित मोर्चा का राष्ट्रीय अधिवेशन 7 मार्च को, आगरा जाएंगे कार्यकर्ता

संवाददाता—गोरखपुर। भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय (रानीडीहा) पर आगामी 07 मार्च को होने वाले आगरा में प्रस्तावित अनुसूचित मोर्चा राष्ट्रीय महाअधिवेशन को लेकर क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय की अगुवाई बैठक संपन्न हुई। उन्होंने अधिवेशन को सफल बनाने के हर कोशिश करने की अपील की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष चंदू सरोज ने सभी जिलाध्यक्षों से अपने क्षेत्र में संपर्क एवं संवाद सुनिश्चित कर कार्यकताओं व पदाधिकारियों को आगरा जाने हेतु आमंत्रित करने संबंधी दिशानिर्देश दिए। प्रदेश उपाध्यक्ष बेचन राम एवं अनुराग मझवार ने सभी का मार्गदर्शन किया। मंच संचालन क्षेत्रीय महामंत्री इंद्रदेव प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुखूराम अमृतलाल नरेन्द्र महंथा ओमप्रकाश सोनकर संतोष गौतम कन्हैयालाल शुशिता पासवान महानगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार जिलाध्यक्ष हरिकेश पासवान मीडिया प्रभारी अमरनाथ एवं इं. बृजमोहन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तीन लाख मतों से सपा के रामभुआल निषाद को हरा पहली बार लोकसभा पहुंचे थे रवि किशन, फिर मैदान में

संवाददाता—गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी ने गोरखपुर लोकसभा की सीट पर दूसरी बार अभिनेता सांसद रवि किशन पर भरोसा जताया है। पहली बार 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी सपा के रामभुआल निषाद को 3,01,664 वोटों के भारी अंतर से हराया था। गोरखपुर लोकसभा की सीट सीएम योगी की परंपरागत सीट है। दूसरी बार प्रत्याशी बनाए जाने पर रवि किशन और उनके समर्थक खासा जोस में हैं। वहीं, सपा ने पहले ही काजल निषाद के प्रत्याशी के तौर पर उतारा है। दरअसल, 29 वर्ष के लंबे अंतराल पर पहली बार किसी दूसरी पार्टी ने गोरखपुर लोकसभा सीट पर अपना कब्जा जमाया था। ये चुनाव था, 2017 का लोकसभा उप चुनाव। इसी वर्ष योगी आदित्यनाथ सूबे के मुख्यमंत्री बने थे और उनके मुख्यमंत्री के बनने के बाद लोकसभा सीट पर उपचुनाव हुआ था।

महागठबंधन के प्रत्याशी प्रवीण निषाद ने भाजपा के उम्मीदवार उपेंद्र शुक्ल को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इस जीत में निषाद और एमवाई फैक्टर ने जमकर काम किया। लेकिन, 2019 के लोकसभा चुनाव तक भाजपा और निषाद पार्टी में गठबंधन हो गया और प्रवीण निषाद को भाजपा पार्टी का दावेदार बनाकर संतकबीर नगर भेज दिया गया। इधर, गोरखपुर लोकसभा सीट पर भाजपा की तरफ से बॉलीवुड कलाकार रवि किशन को मौका दिया गया। और ऐसे ही चुनाव में तीन लाख मतों से अधिक विजई बन एक्टर के साथ सांसद रवि किशन बन गए। रवि किशन मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले हैं। फरवरी 2017 में भाजपा में शामिल हुए रवि किशन ने 2018 के गोरखपुर महोत्सव में स्टेज शो किया था। इसके बाद से ही उन्होंने गोरखपुर से अपनी राजनीति करने का प्रयास शुरू कर दिया था। रवि किशन सांसद पहली बार 2017 में बने थे। लेकिन, पहली बार चुनाव उन्होंने 2014 में जौनपुर लोकसभा का लड़ा था। ये चुनाव उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर लड़ा था। ये चुनाव वो हार गए थे। इसी के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामने के बाद गोरखपुर महोत्सव और अन्य माध्यमों से अपनी रुचि भाजपा के चुनाव में प्रचार करने की जताई। इधर, बदलते समीकरण पर भाजपा ने 2019 में रवि किशन पर भरोसा कर पहली बार भाजपा प्रत्याशी गोरखपुर लोकसभा बना दिया। गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम के दौरान एक ऐसी बात बोल दी थी जो आज भी ट्रोल होती रहती है। रवि किशन ने मंच से खड़े होते हुए कहा, "राप्ती घाट पर पहले क्या होता था, सभी को पता है। सुबह सुबह लोग यहां आ जाते थे। लेकिन अब जो महौल बना है... यहां अगर आपकी मृत्यु होती है तो आप सीधे स्वर्ग जाएंगे। जब आप जलाए जाएंगे तो कितना आनंद आएगा।" हालांकि, बाद में उनकी तरफ से अपने इस कहने के मतलब को भी साफ किया गया। पहले राप्ती घाट की गंदगी इतनी थी कि यहां अंतिम संस्कार में आने वालों को ही काफी दिक्कत होती थी। इसी दुरुस्त करवाया गया था। इसी संदर्भ में उन्होंने अपनी ये बात कही थी। भाजपा की तरफ से दोबारा गोरखपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने पर रवि किशन ने कहा, अबकी बार...400 के पार। गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर उन्होंने भाजपा की जीत, शीर्ष नेतृत्व का आभार जताने के साथ ही गोरखपुर की जनता के प्रति भी अपना आभार जताया था।

नीतियों के बदौलत चार सौ के पार जाएगी भाजपा

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के लोकसभा क्लस्टर मीटिंग में आए राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डा. प्रेमचन्द्र बैरवा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपनी स्वच्छ छवि और बेहतर नीतियों के बदौलत आगामी लोकसभा चुनाव में चार सौ के पास सीटें जीतेगी। पार्टी कार्यकर्ता अभी से लग जाएं। जनता के बीच में अपने नीतियों के साथ जाएं। विपक्ष के पास न तो नीति है और न ही नियति।

लोकसभा चुनाव को लेकर क्लस्टर बैठक करने श्री बैरवा राजस्थान से पहली बार आए हैं। उन्होंने यहां पर जिला प्रभारी, लोकसभा संयोजक, लोकसभा प्रभारी, विधानसभा संयोजक, विधानसभा प्रभारी, सभी मोर्चो के जिला अध्यक्ष, लोकसभा विस्तारक, विधानसभा विस्तारक, जिला आईटी संयोजक, जिला आईटीसी संयोजक, जिला सोशल मीडिया संयोजक, जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक को बैठक में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पुनः सरकार बनने जा रही है। इस बार 400 पार के आंकड़ें के साथ सरकार बनाने का कार्य करने जा रही है। इसमें किसी प्रकार का संदेह नहीं है। कार्यकर्ता जुट जाएं। भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

देहरादून से अयोध्या, अमृतसर और वाराणसी के लिए छह मार्च से शुरू होगी फ्लाइट

संवाददाता—अयोध्या। राजधानी से देश के तीन प्रमुख शहरों अयोध्या, अमृतसर और वाराणसी के लिए सीधी हवाई सेवा को केंद्र की मंजूरी मिल गई है। तीनों सेवाओं का छह मार्च को शुभारंभ होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तीनों सेवाओं की मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार प्रकट किया है। उद्घाटन दिवस पर देहरादून से अयोध्या के लिए विमान सुबह 9:40 बजे उड़ान भरेगा। पूर्वाह्न 11:30 बजे अयोध्या पहुंचेगा। उसी दिन अयोध्या से दोपहर 12:15 बजे उड़ान भरकर दोपहर 01:55 बजे देहरादून पहुंचेगा। देहरादून—अमृतसर हवाई सेवा का विमान 12 बजे अमृतसर से उड़ान भरेगा और दोपहर 01:10 बजे देहरादून पहुंचेगा। इसी प्रकार देहरादून से दोपहर 1:35 बजे अमृतसर के लिए उड़ान भरेगा और दोपहर 2:45 बजे अमृतसर पहुंचेगा। वाराणसी के लिए वाया पंतनगर हवाई

सेवा भी छह मार्च से शुरू हो रही है। यात्री विमान सुबह 9:50 बजे देहरादून से पंतनगर के लिए उड़ान भरेगा और 10:35 बजे पंतनगर पहुंचेगा। इसी प्रकार पंतनगर से 11:15 बजे वाराणसी के लिए उड़ान भरेगा और दोपहर एक बजे वाराणसी में उतरेगा।

वाराणसी से विमान दोपहर 1:40 बजे पंतनगर के लिए उड़ान भरेगा और अपराह्न 3:25 बजे पंतनगर पहुंचेगा। पंतनगर से विमान अपराह्न 3:50 बजे उड़ान भरेगा और शाम 4:35 बजे देहरादून पहुंचेगा। मुख्यमंत्री धामी ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध करने के साथ ही पत्र भी लिखा था। मुख्यमंत्री ने कहाकि देवभूमि से अयोध्या हवाई सेवा शुरू होने से श्रद्धालुओं को अयोध्या की यात्रा में सुविधा होगी। इसी प्रकार, देवभूमि की यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्री भी इस सेवा का लाभ उठा सकेंगे।

अपनी कैबिनेट सहित रामलला के दर्शन करने पहुंचे एमपी के सीएम, बोले- सौभाग्य से आया ये दिन

संवाददाता—अयोध्या। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। मंत्रियों के साथ उनके परिवार के सदस्य भी एक धर्म यात्रा में शामिल थे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अयोध्या के रामलला मंदिर में भगवान को साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने दर्शन करने के बाद कहा कि ऐसा लगा जीवन धन्य हो गया। प्रभु राम का दर्शन कई जन्मों के पुण्य प्रताप का प्रसाद है। आज हमने अयोध्या आकर भगवान श्रीराम के मंदिर के गर्भगृह में भगवान के दर्शन किए। ऐसा लगा जैसे प्रभु अपने साक्षात् स्वरूप में मंदिर में विराजमान है। मैं बाबा महाकाल की नगरी से आता हूं। भगवान राम सब पर कृपा करें। भगवान महाकाल सब पर कृपा करें और हमारे सनातन संस्कृति की ध्वजा ऐसी ही लहराती रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की कैबिनेट अयोध्या पहुंच गई है। मंत्रियों ने नवशृंगारित अयोध्या एयरपोर्ट पर भी ग्रुप फोटो खिंचवाए।

डीडीयू की डॉ तूलिका मिश्रा 'आउटस्टैंडिंग रिसर्चर अवार्ड से सम्मानित

संवाददाता—गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ तूलिका मिश्रा को आउटस्टैंडिंग रिसर्चर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। वीनस अंतरराष्ट्रीय फाउंडेशन द्वारा उन्हें यह सम्मान दुर्लभ एवं लुप्त हो रहे वनस्पतियों के संरक्षण के लिए पिछले 18 वर्षों से किए जा रहे कार्यों के लिए दिया गया। चेन्नई में 2–3 मार्च को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। कॉन्फ्रेंस में 30 देशों के 150 विश्वविद्यालयों एवं 20 अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से ख्यातिलब्ध महिला वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया था। भारत भारत के भी एम्स, आईआईटी व समेत चुनिंदा विश्वविद्यालयों से कुल 35 महिला वैज्ञानिकों को इसमें आमंत्रित किया गया था। डीडीयू की डॉ तूलिका मिश्रा ने इसमें अपना पेपर 'जलवायु परिवर्तन और यूपी के लुप्तप्राय औषधीय पौधे प्रस्तुत किया। इस पेपर को कॉफ्रेंस में खूब सराहना मिली। अतिथियों स्कॉटलैंड से प्रो. नैंसी लैबर्ट तथा फ्रांस से प्रो. मैथिल्डे ने आउटस्टैंडिंग रिसर्चर अवार्ड के रूप में डॉ तूलिका को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उनकी इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. शांतनु रस्तोगी, मुख्य नियंता प्रो. सतीश चन्द्र पाण्डेय, विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल द्विवेदी, प्रो. पूजा सिंह आदि ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपाण्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

निगरानी सं0–C 202017000000397

निगरानी हस्ब दफा 333 उ0प्र0 जमीदारी विनाश अधिनियम 1950

अदालत— श्रीमान अपर आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला—बस्ती

नसीबुल्लाह

बनाम

टिपोली आदि

1.टिपोली प्रसाद पुत्र मोहन साकिन पिपरा हंकार तप्पा उजियार परगना मगहर पूरब पो0—दुधारा तहसील खलीलाबाद जिला—संतकबीरनगर

—विपक्षी प्रथम वर्ग

2. ग्राम पंचायत पिपरा हंकार जरिये प्रधान ग्राम पंचायत—पिपरा हंकार तप्पा उजियार परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला—संतकबीरनगर 3.अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा अध्यक्ष /प्रधान ग्राम पंचायत पिपरा हंकार जरिये प्रधान ग्राम पंचायत—पिपरा हंकार तप्पा उजियार परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला— संतकबीरनगर 4. सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी बस्ती

—विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

5. हबीबुल्लाह 6. हकीकुल्लाह पुत्रगण जमालुद्दीन निवासीगण पिपरा हंकार तप्पा उजियार परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला—संतकबीरनगर

—विपक्षीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 04—04—2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 04 महीना 04 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

मुकदमा सं0 689/कायमी

धारा 9 ए (2) सी0एच0एक्ट

अदालत— श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला—बस्ती

काशीराम

बनाम

सरकार

बावत ग्राम बसहवा तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला—बस्ती

1. काशीराम 2. जगराम पुत्रगण साहबराम साकिनान मौजा बसहवा तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—03—2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 28 माह 02 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0,

निविदा तिथि बढाने की सूचना

पत्रांकः 357 /वि0पा0मं0(ब0)/ निविदा सं0 21/2023—24 दिनॉकः 04—03—2024

एतद्द्वारा निविदा सं0 21/वि0पा0मं0(ब0)/2023—24 जो अधिशासी अभियन्ता, विद्युत प्रेषण खण्ड—द्वितीय, बस्ती, मुख्यालय —सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत उपखण्ड अधिकारी, विद्युत प्रेषण उपखण्ड— प्रथम नौगढ़/द्वितीय, बांसी के विभागीय कार्यो के उपयोग हेतु एक अदद डीजल जीप/मार्शल/बोलेरो माडल 2017 से 2023 चालक सहित 12 माह के लिये किराये पर उपलब्ध कराने हेतु निविदा आमंत्रित की गयी थी। निविदा भरने एवं जमा करने की अन्तिम तिथि आज दिनांक 04.03. 2024 समय 12:00 बजे तक निर्धारित थी परन्तु एक भी निविदा प्रपत्र न क्रय करने एवं जमा करने के कारण पुनः निविदा के जमा करने की अन्तिम तिथि 18.04.2024 समय 12:00 एवं खुलने की तिथि इसी दिन 14:00 बजे तक बढायी जाती है। अन्य नियम एवं शर्तें पूर्ववत मानी जायेगी।

"स्वयं एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें"

अधीक्षण अभियन्ता

विद्युत पारेषण मण्डल, बस्ती।

दिनांकः— 04/03/2024

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपाण्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

प्रकीर्ण अपील सं0 40/2023

अदालत— श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती

शीतला प्रसाद

बनाम

नेबूलाल आदि

1. नेबूलाल आयु लगभग 56 वर्ष 2. गंगा सागर आयु लगभग 51 वर्ष 3. रामसागर आयु लगभग 49 साल पुत्रगण काशीराम निवासीगण ग्राम डुबवा तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 14—03—2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 03 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

प्रॉपर्टी डीलर का हत्यारोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार कीमती जमीन को लेकर हुआ था विवाद

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या कैंट थाना क्षेत्र में हुई प्रॉपर्टी डीलर विशाल यादव की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी रितेश यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। इस दौरान पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कैंट थाना क्षेत्र के मशीनिया कृष्णा नगर कॉलोनी में 25 फरवरी की देर रात बरात से वापस लौटते समय टोनिया मऊ यदुवंशपुर निवासी प्रॉपर्टी डीलर विशाल यादव पुत्र रामबली यादव की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। आरोपियों की तलाश की जा रही थी। थानाध्यक्ष कैंट संजय मौर्य ने बताया कि विवेचना के दौरान नगर कोतवाली क्षेत्र के खोजनपुर निवासी रितेश यादव व रिंकू का नाम प्रकाश में आया था। मुखबिर की सूचना पर रविवार की देर रात रितेश यादव को कैंट थाना क्षेत्र के गद्दोपुर पेशकार पुरवा जाने वाले मार्ग पर गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया लेकिन आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी है। वहीं, दूसरे आरोपी रिंकू की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। हत्या के पीछे रामपुर स्थित एक कीमती जमीन का विवाद सामने आया है।

कांग्रेस को झटकाः कृष्ण कुमार ने पार्टी से दिया इस्तीफा

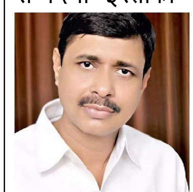

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन को एक और झटका लगा है। कांग्रेस नेता कृष्ण कुमार उर्फ कक्कू पांडेय ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वे बीते दिनों ही बसपा से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हुए सांसद रितेश पांडेय के चाचा हैं। रितेश को बीजेपी ने अंबेडकरनगर संसदीय सीट से टिकट भी दे दिया है। वे बसपा के टिकट पर सुल्तानपुर जनपद की इसौली सीट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। उनकी पत्नी रंजना पांडेय को कांग्रेस ने अकबरपुर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष के चुनाव में टिकट दिया था। रंजना फिलहाल कांग्रेस में बनी रहेंगी। कक्कू ने सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भेजे पत्र में लिखा कि व्यक्तिगत कारण से वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रहे हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला—बस्ती

वाद सं0 253/2009

ध्रुवनरायन

बनाम

रामचेत आदि

1/1 सियाराम 1/2 हियाराम 1/3 मेवालाल पुत्रगण स्व0 रामचेत 2. रामचरित्र पुत्र रामअवध निवासीगण ग्राम अजगवां जंगल टोला झुंगीपुर तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 08—04—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

वाद सं0 882/2023

अंजनी कुमार कश्यप

बनाम

विमला देवी आदि

1. विमला देवी उम्र 53 वर्ष पत्नी रामसेवक 2. रामसेवक उम्र 55 वर्ष पुत्र बृजलाल साकिनान मौजा सिसवा बुजुर्ग तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 15—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com